क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 290, सोमवार, 19 नवम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

जलती मोमबत्ती ने बुझा दिया घर का चिराग

शामली, एजेंसी। जिले के पुरमाफी गांव में शुक्रवार रात दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। यहां जलती मोमबत्ती बिस्तर पर गिरने से उस पर सो रहे चार साल के मासूम बालक और उसकी आठ साल की बहन बुरी तरह से झुलस गई। परिजन दोनों को शामली के निजी नर्सिंग होम ले गए, जहां डॉक्टरों ने बालक को मृत घोषित कर दिया और बच्ची को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। बालक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। झिंझाना क्षेत्र के गांव में शुक्रवार रात संदीप कश्यप का बेटा देव और बेटी तनु घेर में स्थित बैठक में चारपाई पर खेलते-खेलते रजाई ओढ़ कर सो गए थे। इस दौरान चारपाई के ऊपर दीवार में लगे लकड़ी के गुटके पर जल रही मोमबत्ती बिस्तर पर गिर गई। बिस्तर में आग लगने से दोनों बच्चे झुलस गए। शोर मचने पर बच्चों के ताऊ अनुज, दादी शिमला, बुआ रितू आदि लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और झुलसे बच्चों को लेकर शामली के नर्सिंग होम में पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने देव को मृत घोषित कर दिया और तनु को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी। देव की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।

खुशखबरी: एक दिसंबर से जीडीए में ये तीन काम हो जाएंगे ऑनलाइन

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) में अपना नाम दर्ज कराना (म्यूटेशन), रजिस्ट्री और संपत्ति को फ्री होल्ड कराने के लिए अब भटकना नहीं पड़ेगा। इनके लिए आवेदक को एक दिसंबर से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदक को कार्य होने के कागजात भी ऑनलाइन दिए जाएंगे। वहीं, फाइल के हर मूवमेंट की जानकारी एसएमएस से दी जाएगी। इसका प्राधिकरण में हर रोज 800 से ज्यादा आने वाले आवेदकों को फायदा होगा। प्रदेश के प्राधिकरणों में भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए शासन सख्त है। शासन ने सभी प्राधिकरणों को निर्देश दिए हैं कि वह नामांतरण (म्यूटेशन), पंजीकरण (रजिस्ट्री) और संपत्ति को फ्री होल्ड कराने की प्रक्रिया ऑनलाइन शुरू करें। इस निर्देश के बाद जीडीए ने अपनी तैयारी करनी शुरू कर दी है। प्राधिकरण एक दिसंबर से म्यूटेशन, रजिस्ट्री और संपत्ति को फ्री होल्ड कराने की प्रक्रिया ऑनलाइन शुरू कर रहा है। इसके ऑनलाइन होने से प्राधिकरण में इन कार्यों को कराने के लिए आने वाले आवेदकों को निजात मिलेगा और उन्हें बाबुओं के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

ऐसे कर सकेंगे आवेदन : एक दिसंबर से आवेदन जनहित डाट यूपीडीए डाट इन पर जाकर म्यूटेशन, रजिस्ट्रेशन और संपत्ति को फ्री होल्ड कराने के लिए आवेदन कर सकता है। इस वेबसाइट में दस्तावेजों के बारे में जानकारी मिल जाएगी। जीडीए की उपाध्यक्ष कंचन वर्मा का कहना है कि एक दिसंबर से म्यूटेशन, रजिस्ट्री और संपत्ति को फ्री होल्ड की प्रक्रिया शुरू होगी।

ये है नामांतरण की प्रक्रिया

जिस व्यक्ति के नाम संपत्ति है। अगर वह अपनी संपत्ति बेचता है, तो खरीदने वाला संपत्ति में अपना नाम दर्ज कराता (म्यूटेशन) है। वहीं, कई बार संपत्ति स्वामी की मृत्यु हो जाती है तो संपत्ति उनके बच्चों के नाम दर्ज की जाती है। इस पूरी प्रक्रिया को ही म्यूटेशन कहा जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में दो महीने तक का समय लग जाता है।

ऐसे कराते हैं रजिस्ट्री

अगर कोई व्यक्ति भूखंड या फ्लैट खरीदता है तो उस संपत्ति की रजिस्ट्री कराता है। जब तक संपत्ति की रजिस्ट्री नहीं होती है, तब तक संपत्ति की स्वामित्व उस व्यक्ति को नहीं मिल पाता है।

लीज होल्ड से बेहतर है फ्री होल्ड

जीडीए में लीज होल्ड और फ्री होल्ड प्रक्रियाएं चलती है। इसका मुख्य कारण यह है कि नियम के अनुसार 90 साल के पट्टे पर संपत्ति को लीज होल्ड किया जाता है। इसके बाद जीडीए इस पर अपना दावा कर सकता है। लेकिन फ्री होल्ड संपत्ति पर दावा नहीं कर सकता।

कमल संदेश रैली: 32 साल बाद हेमा मालिनी ने की मोटरसाइकिल की सवारी

मथुरा, एजेंसी। याद कीजिए आपने ड्रीम गर्ल को आखिरी बार मोटरसाइकिल पर सैर करते हुए कब देखा था। अगर याद न आया हो तो हम बताते हैं। वर्ष 1971 में आई फिल्म अंदाज का गीत जिंदगी इक सफर है सुहाना में उन पर राजेश खन्ना के साथ मोटरसाइकिल पर सीन फिल्माया गया था।

पापुआ न्यू गिनी के पोर्ट मोरेस्बी में शुक्रवार को एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक वेशभूषा में अपनी प्रस्तुति देता कलाकार।

दोनों राज्यों की सरकारों ने जांच करने की ''सामान्य रजामंदी' वापस ली

आंध्र और प.बंगाल में सीबीआई की एंट्री बैन

अमरावती/कोलकाता, एजेंसी। आंध प्रदेश की चंद्रबाबू नायडू और पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार ने सीबीआई को राज्य में छापे मारने और जांच करने के लिए दी गई ''सामान्य रजामंदी' वापस ले ली।आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री (गृह) एन चिना राजप्पा ने संवाददाताओं से कहा कि सहमति वापसी लेने की वजह देश की प्रमुख जांच एजेंसी के शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ लगे आरोप हैं। इस बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पूरे दिल से नायडू के फैसले का समर्थन किया। कुछ देर बाद खबर आई कि पश्चिम बंगाल सरकार ने भी राज्य में छापों और जांच के लिए सीबीआई को दी गई सामान्य रजामंदी वापस ले ली है। दोनों राज्यों के ताजा सरकारी आदेश के अनुसार दिल्ली विशेष पुलिस प्रतिष्ठान अधिनियम, 1946 की धारा छह के तहत दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, सरकार दिल्ली विशेष पुलिस प्रतिष्ठान के सभी सदस्यों को आंध प्रदेश राज्य में इस कानून के तहत शक्तियों तथा क्षेत्राधिकार के इस्तेमाल हेतु दी गई सामान्य रजामंदी वापस लेती है।

»» 7 दमकल की गाड़ियां मौके पर

कोलकाता: 65 मंजिला इमारत में आग,

एजेंसी,कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता के सबसे ऊंची रिहायशी इमारत में आग लग गई।

आग इमारत के 42वें फ्लोर पर लगी थी। बताया जा रहा है कि इस बिल्डिंग में कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद दमकल की तीन गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंची। यह घटना शाम पांच बजे की है। यह बिल्डिंग कोलकाता के अर्टियल चौरंगी रोड पर स्थित है। यह बिल्डिंग 879 फीट ऊंची है और इसमें 63 फ्लोर हैं। यह देश की सबसे ऊंची रिहायशी इमारतों में से एक है। कोलकाता के मेयर और फायर सर्विस मिनिस्टर घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। मेयर ने बताया कि एयरकंडीशन लगाने के लिए वेल्डिंग का काम चल रहा था और इस दौरान आग लगी। टीवी चैनल से बात करते हुए सुरक्षाकर्मी ने कहा कि मैंने देखा कि सुरक्षा के लिए लगाए गए नेट पर आग लग गई है। हालांकि बताया जा रहा है कि कोई भी मजदूर अंदर मौजूद नहीं था। इस बिल्डिंग के निर्माण का कार्य वर्ष 2008 से चल रहा है।

कुछ समय में शहर के कई इलाकों में आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। गौरतलब है कि 12 नवंबर को कोलकता स्कूल ऑफ टूपिकल मेडिसन में आग लगी थी।

अक्टूबर तीन को कोलकाता मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में आग लगी थी 200 मरीजों को अस्पताल से निकाला गया। इस आगजनी से करीब पांच करोड़ का नुकसान हुआ था। 16 सितंबर को बगरी मार्केट की इमारत में आग लगी थी जिसमें सैकड़ों दुकानें जलकर खाक हो गई थी।

49,568 सिपाही भती: 300 अंकों की होगी लिखित परीक्षा, पढ़िए आयु सीमा की छूट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के माध्यम से नागरिक पुलिस व पीएसी में सिपाही (कांस्टेबल) के 49,568 पदों पर भर्ती के लिए 300 अंकों की लिखित परीक्षा कराई जाएगी। इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन सोमवार से किया जा सकेगा। बोर्ड की नई अधिसूचना के अनुसार ऑनलाइन आवेदन 19 नवंबर से शुरू होकर 8 दिसंबर तक होगा। ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि भी 8 दिसंबर ही होगी, जबकि ऑफ लाइन (ई-चालान) आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 10 दिसंबर होगी। भर्ती प्रक्रिया में सभी श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क 400 रुपये तय किया गया है।

उपेन्द्र कुशवाहा का बीजेपी को अल्टीमेटम- सीट बंटवारे पर नवंबर आखिर तक ले फैसला

पटना, एजेंसी। रालोसपा ने भाजपा को इस महीने के अंत तक सीटों की संख्या हर हाल में तय करने का अल्टीमेटम दिया है। पार्टी ने साफ कह दिया है कि अगर 30 नवम्बर तक सीट फाइनल नहीं हुआ तो यह माना जाएगा कि भाजपा गठबंधन बनाए रखने को लेकर गंभीर नहीं है। पार्टी ने यह भी दुहराया है कि हर हाल में उसे उसकी बढ़ी हुई ताकत के अनुसार पिछली बार से अधिक सीटें चाहिए।

शनिवार को पटना में प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के बाद पार्टी प्रमुख उपेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को छोड़कर उनकी ओर से किसी भाजपा नेता से बात करने की पहल नहीं की जाएगी। पीएम से बात करने का वह प्रयास करेंगे और पूरी स्थिति से उन्हें अवगत कराएंगे। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को बता देना चाहते हैं कि बिहार एनडीए में कुछ ऐसे लोग हैं जो नरेन्द्र मोदी को दोबारा पीएम नहीं बनने देना चाहते हैं। उनपर भरोसा करना नुकसानदेह होगा।

कुशवाहा ने कहा कि कार्यसमिति की बैठक से पहले पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं ने आपस में बात की। उन्होंने कहा कि लगातार प्रयास के बावजूद भाजपा अध्यक्ष अमित शाह से बात नहीं हुई। भूपेन्द्र यादव से हुई बात में जो सीटों की संख्या बताई गई वह पार्टी को स्वीकार नहीं है। सीटों की प्रस्तावित संख्या के बारे में कहा कि जब तक वार्ता किसी नतीजे पर नहीं पहुंच जाती वह बातचीत को सार्वजनिक नहीं कर सकते। बैठक में विधायक सुधांशु शेखर नहीं थे,

लेकिन पत्रकारों से बात के दौरान सांसद राम कुमार शर्मा मौजूद रहे।

बैठक में पांच प्रस्ताव पारित किए गए

उन्होंने कहा कि बैठक में पांच प्रस्ताव पारित किए गए। इनमें एक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उस टिप्पणी की निंदा की गई जिसका प्रयोग उन्होंने पार्टी नेता और पार्टी से सहानुभूति रखने वाले समाज के लिए किया। पार्टी इसका विरोध महात्मा फुले की पुण्यतिथि पर 28 नवम्बर को करेगी। राज्य की विधि व्यवस्था के खिलाफ भी प्रस्ताव पास हुआ। जदयू पर रालोसपा को तोड़ने के प्रयास का आरोप लगाया गया और इसकी निंदा की गई।

सीएम के खिलाफ खूब हुई नारेबाजी

बैठक में जैसे ही उपेन्द्र कुशवाहा पहुंचे कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने उनके जिन्दाबाद के साथ ही 'बिहार का सीएम कैसा हो, उपेन्द्र कुशवाहा जैसा हो' के नारे लगाए। पार्टी प्रमुख नारा लगाने वालों को मना करते रहे लेकिन कार्यकर्ताओं के तेवर देखकर यही लगा कि बैठक में जो भी प्रस्ताव पारित हुए उसका फैसला वह पहले ही कर चुके थे।

मिलने का मौका पहले गवां चुके हैं उपेन्द्र

अमित शाह से मिलने का प्रयास कर रहे रालोसपा प्रमुख पिछले पखवारा यह मौका गवां चुके हैं। तेजस्वी यादव से अरवल में हुई उनकी मुलाकात के बाद शाह ने फोन कर रालोसपा प्रमुख से मिलने की इच्छा जताई थी। लेकिन उस समय उन्होंने कार्यक्रमों में व्यस्त होने का हवाला देकर दिल्ली जाने से इनकार कर दिया। दो दिन बाद जब वह दिल्ली गये तो श्री शाह से उनकी मुलाकात नहीं हो सकी और वह भूपेन्द्र यादव से मिलकर लौट आये। उसके बाद से कुशवाहा लगातार प्रयास कर रहे हैं।

ट्रेड फेयर 2018 :

मेले में आपके लिए है बहुत कुछ खास, कल से आम लोगों को मिलेगी एंट्री

नई दिल्ली। प्रगति मैदान में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला रविवार से आम लोगों के लिए खुल जाएगा। मेले में इस बार विभिन्न तरह के देशी-विदेशी उत्पाद आए हैं जो लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। हालांकि, पिछले वर्षों की तुलना में इस बार यह एक चौथाई हिस्से में हो रहा है।

सरस मंडप में मिलेंगे देसी उत्पाद

व्यापार मेले के हॉल नंबर 7 में लगे सरस मंडप में देसी उत्पाद धूम मचा रहे हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय की तरफ से लगाए गए इस मंडप में भारत के ग्रामीण अंचलों के पारंपरिक उत्पाद एक छत के नीचे उपलब्ध हैं। इसमें हैंडलूम और हैंडीक्राप्ट प्रमुख है। यहां आंध्र प्रदेश के महिला समूह द्वारा बनाया गया अचार, असम की टोकरी, टिफ्फि, बॉटल कवर, बैग, योगा मैट आदि खरीद सकेंगे।

हाथों से बनी ज्वैलरी को खूब पसंद किया जा रहा

दुबई, म्यामांर और थाईलैंड की ज्वैलरी को महिलाओं द्वारा विशेष तौर पर पंसद किया जा रहा है। हॉल नंबर 12 में म्यामांर और दुबई के स्टॉल पर 18 कैरेट गोल्ड की ज्वैलरी लोगों को लुभा रही है।

हुनर हाट हैंडीक्राफ्ट से लेकर हैंडलूम तक का सामान

हुनर हाट में जम्मू-कश्मीर के कारीगरों द्वारा हाथ से बनाए तांबे के बर्तन, लकड़ी की पेंटिंग, गुलदस्ते समेत हैंडीक्राफ्ट और हैंडलूम के कई उत्पाद आसानी से खरीद सकेंगे।

10 मिनट में स्वास्थ्य जांच

मेला में जाएं तो स्वास्थ्य जांच जरूर करवाएं। चार स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए गए हैं, जिनमें स्तर कैंसर से लेकर खून, बीएमआई, शुगर, दांतों की जांच एम्स, सफदरजंग, आरएमएल के डॉक्टरों की टीम की तरफ से मुफ्त की जा रही है। हॉल नंबर 12 ए के बाहर गेट 10 के पास, आईटीपीओ कार्यालय के पास और हॉल नंबर 7 में लगे शिविरों में मुफ्त जांच कराएं।

कंधारी अनार भी आकर्षण का केंद्र

मेले में अफगानी सूखे मेवों की खूब मांग हो रही है। वहीं, अपने आकार और स्वाद के कारण कंधारी अनार भी आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। अफगानिस्तान मेले का साझीदार राष्ट्र होने के कारण इस बार वहां से बड़ी संख्या में सूखे मेवे के व्यापारी यहां पहुंचे, जिन्होंने हॉल नंबर 12 में लगे पवेलियन में अपने स्टाल लगाए हैं। .

15 मिनट में आधार कार्ड बनवाएं

मेले में 15 मिनट के अंदर आधार कार्ड के लिए आवेदन किया जा सकता है। इसमें सुधार या पता बदलवाने के लिए मेले में 10 मिनट समय खर्च करना पड़ेगा। यूएडीआई की तरफ से हॉल नंबर 7 के अंदर स्टॉल लगवाया गया है, जिसमें मात्र 30 रुपये के शुल्क का भुगतान कर इसका लाभ उठाया जा सकता है।

यूपी सरकार एमएसएमई को बढ़ावा दे रही है : सत्यदेव

उत्तर प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन मंत्री सत्यदेव पचौरी ने शुक्रवार को कहा कि प्रदेश सरकार छोटे उद्योगों को बढावा दे रही है। सरकार ने एक जनपद-एक उत्पाद महत्वाकांक्षी योजना शुरू की है। इसे बढ़ावा देने के लिए अब तक सत्तर हजार सत्यदेव पचौरी ने कहा कि प्रदेश सरकार हस्तशिल्पियों और निर्यातकों के प्रोत्साहन के लिए लगातार कोशिश कर रही है।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, चार्जशीट से उजागर हुई कांग्रेस की अर्बन नक्सलियों से सांठगांठ

मोदी के विरोध में नक्सलियों का भी समर्थन कर रही कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस का एक मात्र लक्ष्य है कि अलगाववादी ताकतें आगे बढ़े। कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी के विरोध में इस तरीके से लगी है कि वह इसके लिए नक्सलियों को आगे बढ़ाने, उनका समर्थन करने में भी पीछे नहीं रहती। कांग्रेस नेता राजबब्बर नक्सलियों को क्रांतिकारी बताते हैं, तो राहुल गांधी उन्हीं नक्सलियों को एनजीओ बताते हैं। यह बात भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि अदालत में दाखिल की गई चार्जशीट से कांग्रेस की अर्बन नक्सलियों से सांठगांठ उजागर हो गई है।

जनता के सामने आई अर्बन नक्सलियों की सच्चाई-संबित पात्रा ने कहा कि भीमा कोरेगांव हिंसा मामले के संबंध में पुणे पुलिस ने शुक्रवार को कोर्ट में 1500 से अधिक पन्ने की चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट से अर्बन नक्सलियों और कांग्रेस की सांठ गांठ की सच्चाई जनता सामने आ चुकी है। उन्होंने कहा कि जब अर्बन नक्सलियों की तथ्यों के आधार पर गिरफ्तारी की गई, तब राहुल गांधी अर्बन

नक्सलियों को एनजीओ बताकर उनके प्रति संवेदनाएं दिखा रहे थे। श्री पात्रा ने कहा कि कुछ समय पहले अर्बन नक्सलियों पर छापामार कार्रवाई के दौरान एक पत्र मिला था, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए की जा रही साजिश का खुलासा हुआ था। कांग्रेस ने इस पूरे मामले का मजाक उड़ाया था। चार्जशीट का हवाला देते हुए श्री पात्रा ने कहा कि इस चार्जशीट के एक बिंदु से पता चलता है कि प्रधानमंत्री मोदी की हत्या के लिए ठीक उसी प्रकार की साजिश रची गई, जिस साजिश से राजीव गांधी की हत्या की गई। श्री पात्रा ने कहा कि जिस देश ने षडयंत्रों के कारण दो प्रधानमंत्री खोए हों, ऐसे षडयंत्रों के प्रति सजग रहना हर राजनीतिक दल का पहला कर्तव्य होना चाहिए। लेकिन कांग्रेस लगातार अर्बन नक्सलियों के समर्थन में खड़ी रहती है।

जनता देगी शशि थरूर की टिप्पणी का जवाब : पात्रा

श्री पात्रा ने कहा कि कुछ समय पहले शशि थरूर ने कहा था कि एक चाय वाला प्रधानमंत्री बन सका है, तो इसका एकमात्र कारण यह था कि नेहरू जी ने लोकतंत्र की रक्षा की थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में अगर हिम्मत है और पार्टी लोकतंत्र में विश्वास करती है, तो कांग्रेस पार्टी किसी ऐसे नेता को अध्यक्ष नियुक्त करके बताए, जो नेहरू.गांधी परिवार से बाहर का हो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपनी ही पार्टी में लोकतंत्र का गला घोंटने का काम किया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह 2014 में मणिशंकर अय्यर ने नरेन्द्र मोदी के खिलाफटिप्पणी की थी और चुनाव में खामियाजा भुगतना पड़ा था, ठीक उसी तरह की टिप्पणी शशि थरूर कर रहे हैं। श्री पात्रा ने कहा कि देश की जनता 2019 के चुनाव में शशि थरूर को उनकी टिप्पणी का जवाब देगी।

दखल

आईएस सरगना की पंजाब में दस्तक

आईएसआईएस की भारत की शाखा 'अंसार गजवात-उल-हिंद' का मुखिया और आतंकी संगठन हिजबुल का कमांडर जाकिर मूसा इन दिनों पंजाब में देखा गया है। पंजाब पुलिस ने जाकिर मूसा के पंजाब में घुस जाने का जो अंदेशा जताया है, वह देश सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। दरअसल, जाकिर भारत में बड़े हमले करने की फिराक में है और उसके इस इरादे में पाकिस्तान पूरा सहयोग कर रहा है।

डिजिटल युग के नए दहशतगर्दों पर अब तक नकेल कसने में कामयाब भारत की सुरक्षा एजेंसियां इस समय बेहद आशंकित हैं। दरअसल, पंजाब पुलिस ने जाकिर मूसा के पंजाब में घुस जाने का जो अंदेशा जताया है, वह देश सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। जाकिर मूसा इस समय आईएसआईएस की भारत की शाखा 'अंसार गजवात-उल-हिंद' का मुखिया है और उसके इरादे भी बेहद खतरनाक हैं। वह कश्मीर के अन्य आतंकी संगठनों से अलग और क्रूर पहचान बनाने को भी आमादा है। पंजाब के अमृतसर में पुलिस ने आतंकी जाकिर मूसा के पोस्टर शहरभर में कई जगहों पर लगाए हैं। इन पोस्टर में बड़े-बड़े अक्षरों में वांटेड जाकिर मूसा लिखा हुआ है। इसके पहले इस महीने की शुरुआत में आई इंटेलिजेंस रिपोर्ट ने कश्मीर घाटी में आतंकी जाकिर मूसा और हिज्बुल मुजाहिदीन के साथ मिलकर हमला करने की योजना से संबंधित इनपुट दिया था।

चंडीगढ़ के एक इंजीनियरिंग कालेज में साल 2013 तक पढ़ने वाला जाकिर रशीद भट अचानक गायब हो गया और बाद में हिजबुल मुजाहिदीन के कमांडर जाकिर मूसा के रूप में सामने आया। मूसा डिजिटल युग में इस्लामिक स्टेट के भ्रामक प्रचार की गिरफ्त में आया और फेसबुक, ट्विटर, वाट्सएप तथा टेलीग्राम जैसी सोशल साइटों से जुड़कर आतंकी बन गया। पिछले साल मूसा की आतंक की सबसे बड़ी संस्था आईएसआईएस से जुड़ने की पुष्टि हुई। जब 26 जुलाई 2017 को अलकायदा समर्थक मीडिया प्रतिष्ठान ग्लोबल इस्लामिक मीडिया फ्रंट ने मैसेजिंग एप टेलीग्राम पर एक स्टेटमेंट जारी किया था जिसमें कश्मीर में एक नए जिहादी गुट अंसार गजवात-उल-हिंद के गठन की घोषणा की गई थी। इसकी कमान जाकिर मूसा के संभालने की घोषणा भी इसमें शामिल थी।

इस्लामिक स्टेट ने सोशल मीडिया के जरिए दुनिया भर के युवाओं को कट्टरपंथ से जोड़ा है और मूसा इसी का फायदा उठाकर अब भारत में हमले करना चाहता है। साल 2016 में आतंकी बुरहान वानी के मारे जाने के बाद कश्मीर में अस्थिरता बढ़ी है और इस्लामिक स्टेट को यह स्थिति मजबूत होने के लिए मुफीद नजर आती है। इसी सिलसिले में आईएस ने इलाके के युवाओं से संगठन से जुड़ने की अपील की है। यही नहीं पिछले दिनों आईएस की मैगजीन रुमैया के उर्दू संस्करण के एक अंक में कश्मीर के लोगों के लिए 'खलीफा की जमीन से संदेश' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित हुआ था जिसमें कश्मीर को इस्लामिक राज्य बनाने की घोषणा की गई थी। यह मैगजीन मैसेजिंग एप टेलीग्राम पर जारी की गई थी। इस्लामिक स्टेट ने टेलीग्राम पर उसका समर्थन करने वाले एक चैनल ने एक बयान प्रसारित किया था जिसमें कश्मीर में मौजूद इस्लामिक स्टेट के सभी समर्थकों से एक बैनर के तले आने की अपील भी की गई थी। मूसा सोशल मीडिया से दहशतगर्द तैयार करने में माहिर माना जाता है और इसका प्रमुख सहयोगी बुरहान वानी सोशल मीडिया को हथियार बनाकर कश्मीर में पोस्टर ब्वॉय बन गया था। बुरहान वानी के साल 2016 में कश्मीर में सेना के हाथों मारे जाने के बाद पृथकतावादी ताकतें मजबूत हुई हैं। इसका फायदा मूसा को मिला है और घाटी में कई विरोध प्रदर्शनों में आईएसआईएस के झंडे फहराने की घटनाएं भी सामने आई हैं।

मूसा भारत में इस्लामिक स्टेट की तर्ज पर काम करना चाहता है और वह इसका इजहार भी कर चुका है। इस्लामिक स्टेट की कमान संभालने के बाद जाकिर मूसा ने कश्मीर को इस्लामिक राज्य बनाने की बात भी कही थी। मूसा की तरफ से घाटी के अलगाववादी नेताओं को चेतावनी दी गई कि अगर उन्होंने कश्मीर को धार्मिक की जगह सियासी मुद्दा बताया तो उनका सिर कलम कर दिया जाएगा। इस बीच मूसा को लेकर सुरक्षा एजेंसियां खास तौर पर चौकन्नी हैं। पंजाब से मूसा परिचित है और राज्य के खालिस्तानी समर्थकों से उसके जुड़ने की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा सकता। पिछले दिनों जालंधर में कुछ कश्मीरी आतंकियों के मददगार विद्यार्थियों को पकड़ा गया था, जिसमें एक मूसा का रिश्तेदार भी बताया गया था। जालंधर के एक हॉस्टल से इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाले तीन छात्रों और उनके साथ एक मास्टरमाइंड को भी पुलिस ने पकड़ा जिसमें दो बीटेक कर रहे थे, जबकि तीसरा मेडिकल लैब साइंस का विद्यार्थी था। देखने में आया यह है कि इस समय भारतीय खुफिया एजेंसियां पाक प्रायोजित आतंकवाद की एक नई और गंभीर चुनौती का सामना कर रही हैं जिसके अंतर्गत नामी शिक्षा संस्थानों में पढ़ने वाले कुछ उच्च शिक्षित युवा आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए तैयार हो रहे हैं। इसमें अधिकांश वे कश्मीरी छात्र हैं जो देश के कई इलाकों में रहकर अध्ययन कर रहे हैं। मूसा के रिश्तेदार समेत जिन छात्रों को जालंधर से पकड़ा गया था उनसे खतरनाक हथियार व विस्फोटक बरामद किए गए थे। ये विद्यार्थी होस्टल कैंपस में रहकर पढ़ाई करते थे और बेहद शातिराना तरीके से अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे। पुलिस और खुफिया एजेंसियों से बचने के लिए इनके द्वारा टेलीग्राम मैसेंजर का सहारा लिया गया था। फोन पर बात किए बिना ये छात्र टेलीग्राम मैसेंजर से चैट करते और मैसेज को तुरंत डिलीट कर देते।

जाकिर मूसा के देश के कई इलाकों में रहने वाले कश्मीरी छात्रों से संबंध होने और स्लीपर सेल के मजबूत होने की आशंका भी गहरा गई है। कश्मीर घाटी में आईएसआईएस की मौजूदगी के बाद देश के अन्य इलाकों में रहने वाले कश्मीरी छात्रों से उसकी संपर्क की कोशिशें भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए भी चिंता का कारण हैं। इन घटनाओं बीच इस आशंका से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने भारत में अस्थिरता फैलाने के लिए आईएस से हाथ मिला लिया है। अंसार गजवत-उल-हिंद, अलकायदा के स्लीपर सेल के तौर पर काम करता है और उसे मजबूत करने के लिए आईएसआई भारत के अन्य इलाकों में फैले अपने नेटवर्क के सहारे उसका सहयोग कर रही है। यही नहीं आईएसआई भारत के अन्य इलाकों में पढ़ने वाले छात्रों को भी आतंकवाद में धकेल देना चाहती है, जिससे कश्मीर में अस्थिरता बनी रहे। अब देश के दूरदराज के इलाकों में पढ़ने वाले कश्मीरी युवाओं के आतंक से जुड़ने की घटनाएं बेहद साजिश पूर्वक अंजाम दी जा रही हैं। शिक्षित युवाओं का उपयोग डिजिटल युग में खौफनाक आतंकी हमलों के लिए किया जा सकता है, ऐसी आशंका भी बढ़ने लगी है।

पंजाब को लेकर मूसा की बड़ी योजना हो सकती है और उसकी मददगार पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई हो सकती है। पाक खालिस्तान को जिंदा रखने के लिए अपनी जमीन का बेजा इस्तेमाल करने से कभी परहेज नहीं करता। लाहौर में सिख अतिवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल का सरगना वधवा सिंह बब्बर लंबे समय तक पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई की सरपरस्ती में रहा। इस दौरान उसने लश्कर-ए-तैयबा के साथ मिलकर सिख आतंकवाद को फिर से जिंदा करने की कोशिशें की। आईएसआई खालिस्तान के नाम पर सिख युवाओं को भड़काकर स्लीपर सेल बनाने को आमादा है। बहरहाल आईएसआईएस का जाकिर मूसा का तुरंत पकड़ा जाना बेहद जरूरी हो गया है। जाकिर मूसा की तकनीकी दक्षता और स्लीपर सेल से उसकी संबद्धता आतंक का खौफनाक मंजर फैला सकती है।

डॉ. ब्रहमदीप अलूने
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

कश्मीर की जिद छोड़ ही दे पाक

पाक की कश्मीर की मांग के बीच पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी ने कहा है कि उससे अपने मुल्क के लोगों को संभाला नहीं जा सकता, कश्मीर क्या संभलेगा। उनकी यह बात बिल्कुल सही है। बंटवारे के बाद पाकिस्तान और भारत की हालत क्या है, किसी से छिपा नहीं है।

अशांत और बदमिजाज पाकिस्तान को भारत न जाने कितनी बार आईना दिखा चुका है, मगर हर बार वह खुद को पाक-साफ बताने की पुरजोर कोशिश करता रहता है। लेकिन इस बार उसे आईना खुद उसके देश के रोल मॉडल और पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी ने दिखाया है। अफरीदी कश्मीर को लेकर जब तब बयान देते रहे हैं, लेकिन इस बार उन्होंने अपने मुल्क पाकिस्तान को दो टूक सुनाई है। अफरीदी ने कहा कि कश्मीर को संभालना पाक जैसे मुल्क के बस की बात नहीं है। वह अपने मुल्क के लोगों को ही नहीं संभाल पा रहा है। वैसे, अफरीदी अपनी बात पर कब तक टिकेंगे, यह कोई नहीं जानता। लेकिन उनकी बात में पाकिस्तान की बेचारगी सामने आती है, जिसे लेकर वह भारत पर आगबबूला होता रहता है। पाकिस्तान कश्मीर को लेकर किस हद तक जा सकता है, यह हम और पूरी दुनिया देख चुकी है। पर बातचीत और शांति के जरिए वह कभी भी इस मुद्दे पर भारत के साथ नहीं बैठता, जबकि उसकी इस हरकत का फायदा आतंकी संगठन उठाते रहते हैं।

यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि कश्मीर में संवादहीनता की स्थिति से पैदा होने वाले असंतोष का फायदा पाकिस्तानी ठिकानों से काम करने वाले लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी समूह उठाते हैं और युवाओं के सामने भ्रम परोस कर उन्हें अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यही वजह है कि वहां से कुछ उच्च शिक्षित नौजवानों के भी आतंकवादी समूहों में शामिल होने की खबरें आईं। निश्चित रूप से यह चिंता को बढ़ाने वाली बात है, क्योंकि ऐसे युवा बाकी भ्रमित लोगों के सामने विकल्प पेश कर देते हैं। जबकि इन साधारण लोगों से मुख्यधारा की राजनीति अगर संवाद बनाए तो आतंकवादी समूहों को कमजोर किया जा सकता है। लेकिन जरूरत इन्हीं इक्का-दुक्का उदाहरणों को आम बनाने की है, ताकि समस्या के दीर्घकालिक समाधान का रास्ता तैयार हो सके। इसके लिए समस्या के दायरे में आने वाले सभी समूहों से बातचीत का माहौल बनाने और भरोसा पैदा करने की जरूरत है, लेकिन पाक यह नहीं समझ पा रहा।

कश्मीर को लेकर पाकिस्तान का प्रपंच संयुक्त राष्ट्र से लेकर इस्लामाबाद तक दिखाई देता है। मगर कश्मीर की आड़ में भारत के साथ खुद उसके देश में आतंकी समूह क्या गुल खिला रहे हैं, उससे उसे कोई वास्ता नहीं। आजादी के बाद बंटवारे में पाकिस्तान के हिस्से जो भी गया, उसकी दुर्दशा किसी से छिपा नहीं है। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति, वैश्विक मोर्चे पर फजीहत और घरेलू स्तर पर आतंकवाद और बेरोजगारी आज पाकिस्तान की पहचान है। भारत और पाक दोनों एक समय पर आजाद हुए। आज भारत की पहचान को पूरी दुनिया सम्मान से देखती है। वहीं पाकिस्तान के साथ एक-दो को छोड़ कोई भी देश रिश्ता नहीं रखना चाहता। अगर पाकिस्तान की मांग के अनुरूप उसे कश्मीर सौंप भी दिया जाए, तो क्या गारंटी कि पाक उसे धरती का स्वर्ग बनाए रखेगा जैसा अभी वह है।

चार साल बाद कहां हैं मंगलयान

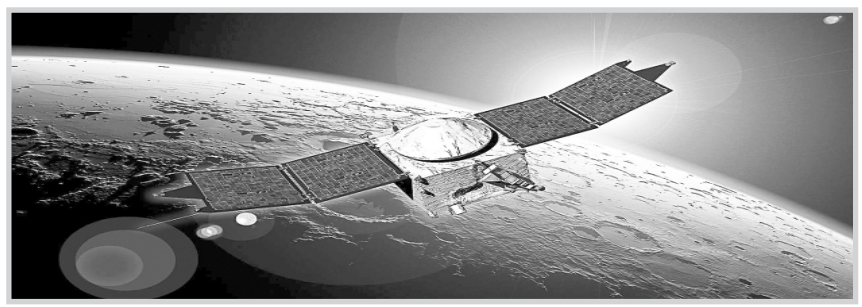

दुनियाभर के अनुमानों को धता बताते हुए भारत का मंगलयान आज भी न सिर्फ सफलतापूर्वक काम कर रहा है, बल्कि ऐसे आंकड़े भी दे रहा है, जो दुनिया के लिए मंगल ग्रह के रहस्य सुलझाने में मददगार साबित हो रहे हैं। 24 सितंबर 2014 को मंगल की कक्षा में प्रवेश के बाद तमाम जानकारों ने कहा था कि उपग्रह की आयु छह माह है, लेकिन भारतीय वैज्ञानिकों ने सभी अनुमानों को धता बता दिया है।

लगभग चार साल पहले जब मंगलयान ने मंगल की कक्षा में प्रवेश किया था तो भारत की इस सफलता का डंका पूरी दुनिया में बजा था लेकिन उसी समय कुछ विशेषज्ञों ने मंगलयान में लगे उपकरणों की मियाद सिर्फ 6 महीने की बताई थी, लेकिन आज भी मंगलयान सभी अनुमानों को धता बताते हुए न सिर्फ अपने मिशन पर सफलतापूर्वक काम कर रहा है बल्कि उसके सभी उपकरण सुचारू रूप से काम कर रहे हैं। 5 नवंबर 2013 को प्रक्षेपण और 24 सितंबर 2014 को मंगल की कक्षा में प्रवेश करने के बाद आज लगभग 4 साल बाद भी भारत का ऐतिहासिक मार्स ऑर्बिटर मिशन (एमओएम) यानी मंगलयान अच्छी तरह से काम कर रहा है और मिशन से जुडी हुई जरूरी तस्वीरें इसरो और नासा के साथ साझा भी कर रहा है। फिलहाल मंगलयान की कक्षा में कुछ सुधार किया जाएगा ताकि यह अगले कई वर्षों तक काम करता रहे। अंतरिक्ष विशेषज्ञों के अनुसार मंगलयान की कक्षा में सुधार के जरिये उसकी बैटरी की जिंदगी बढ़ाने की कोशिश की जाएगी।

यह इसलिए भी जरूरी है कि लंबे ग्रहण के दौरान भी मंगलयान को ऊर्जा मिलती रहे। कक्षा में सुधार नहीं किया गया तो यह निस्तेज हो सकता है क्योंकि लंबे ग्रहण के दौरान बैटरी इसका साथ छोड़ सकती है। कक्षा में सुधार होने से बैटरी पर ग्रहण का असर आधा रह जाएगा, जिससे सैटेलाइट कई वर्षों तक काम करता रह सकता है। इसकी वजह से हमें मंगल ग्रह से जुड़ी गतिविधियों का अध्ययन करने में और समय मिल जाएगा और दुनिया को नए रहस्यों को सुलझाने व उनका पता लगाने में मदद भी मिल जाएगी। मंगलयान यानी मार्स ऑर्बिटर मिशन भारत का प्रथम मंगल अभियान है और यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की एक महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष परियोजना है। इस परियोजना के अन्तर्गत पांच नवंबर 2013 को दो बजकर 38 मिनट पर मंगल ग्रह की परिक्रमा करने हेतु उपग्रह आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) सी-25 के द्वारा सफलतापूर्वक छोड़ा गया था। इसके साथ ही भारत भी अब उन देशों में शामिल हो गया है जिन्होंने मंगल पर अपने यान भेजे हैं।

वैसे अब तक मंगल को जानने के लिए शुरू किए गए दो तिहाई अभियान असफल भी रहे हैं परंतु 24 सितंबर 2014 को मंगल पर पहुंचने के साथ ही भारत विश्व में अपने प्रथम प्रयास में ही सफल होने वाला पहला देश तथा सोवियत रूस, नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के बाद दुनिया का चौथा देश बन गया है। इसके अतिरिक्त यह मंगल पर भेजा गया सबसे सस्ता मिशन भी है। भारत एशिया का भी ऐसा करने वाला प्रथम पहला देश बन गया क्योंकि इससे पहले चीन और जापान अपने मंगल अभियान में विफल रहे थे। प्रतिष्ठित टाइम पत्रिका ने मंगलयान को 2014 के सर्वश्रेष्ठ आविष्कारों में शामिल किया था। 19 अप्रैल 1975 में स्वदेश निर्मित उपग्रह 'आर्यभट्ट' के प्रक्षेपण के साथ अपने अंतरिक्ष सफर की शुरुआत करने वाले इसरो की यह सफलता इभारत की अंतरिक्ष में बढ़ते वर्चस्व की तरफ ही इशारा करती है। यह सफलता इसलिए खास है क्योंकि भारतीय प्रक्षेपण राकेटों की विकास लागत ऐसे ही विदेशी प्रक्षेपण राकेटों की विकास लागत का एक-तिहाई है।

मंगल पर मीथेन गैस की मौजूदगी का पता लगाने के लिए भेजा गया मंगलयान रिटायरमेंट के बाद भी कमाई कर रहा है। वैसे तो इसके छह माह ही काम करने की उम्मीद थी, लेकिन चार साल बाद भी इसकी भेजी तस्वीरों को अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा खरीद रहा है। इनके जरिए नासा मंगल पर मीथेन की मौजूदगी को लेकर जल्द किसी नतीजे पर पहुंच सकता है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चेयरमैन डॉ. के. सिवन ने बताया कि करार के तहत नासा मंगलयान की तस्वीरें ले रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी इन तस्वीरों एवं आंकड़ों का इस्तेमाल शोध कार्य में कर रही है। इसरो वैज्ञानिक भी इस कार्य में जुटे हैं। उन्होंने बताया कि मंगलयान में लगाए गए सभी पांच उपकरण अच्छी तरह काम कर रहे हैं। इसरो के दूसरे वरिष्ठ अधिकारी आर. उमा महेश्वरन ने भी तस्वीरें साझा करने की पुष्टि की है। हालांकि इससे होने वाली आय पर उन्होंने टिप्पणी नहीं की। उन्होंने कहा, इसरो समेत कई महकमों के वैज्ञानिक मंगलयान के आंकड़ों पर शोध पत्र तैयार कर रहे हैं। नासा भी इसी आधार पर शोध पत्र तैयार कर सकता है। हाल में नासा ने चंद्रयान में लगे उपकरण की तस्वीरों के आधार पर चंद्रमा पर बर्फ होने का दावा किया था। चंद्रयान में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मून मिनरोलॉजी मैपर लगाया था जबकि मंगलयान में उसका कोई उपकरण नहीं है। मंगलयान में लगे सभी पांचों उपकरण इसरो के हैं जो सीधे हसन स्थित मुख्य नियंत्रण कक्ष से जुड़े हैं। इसरो के अनुसार, मंगलयान अभी अगले तीन-चार साल तक काम करता रहेगा।

पिछले कई सालों से यह जानने की कोशिशें चलती रही हैं कि पृथ्वी के बाहर जीवन है या नहीं। इस दौरान कई खोजों से यह अंदेशा हुआ कि शायद मंगल ग्रह पर जीवन है। लाल ग्रह यानी मंगल पर जीवन की संभावनाओं को लेकर सिर्फ वैज्ञानिकों ही नहीं, अब आम आदमी की भी उत्सुकता लंबे अरसे से रही है। पृथ्वी से लाल रंग के दिखाई देने वाले ग्रह पर अब सभी की निगाहें टिकी हैं। आखिर मंगल ग्रह की सच्चाई क्या है? ऐसे कई सारे सवाल हैं, जिनके जवाब तलाशने के लिए दूसरे देशों के कई अभियान मंगल ग्रह पर भेजे जा चुके हैं, जिनमें लगभग एक तिहाई सफल रहे बाकी असफल रहे लेकिन भारत का मार्स आर्बिटर मिशन अपने पहले ही मंगल अभियान पर सफल रहा। भारत के इस मिशन की लागत 450 करोड़ रुपए है जो कि अमेरिका के मंगल मिशन से 10 गुना कम है।

यान के साथ 15 किलो का पेलोड भेजा गया है इनमें कैमरे और सेंसर जैसे उपकरण शामिल हैं, जो मंगल के वायुमंडल और उसकी दूसरी विशिष्टताओं का अध्ययन करके तस्वीरें भेजतें रहे हैं। मंगलयान का मुख्य फोकस संभावित जीवन, ग्रह की उत्पत्ति, भौगोलिक संरचनाओं और जलवायु आदि पर रहा। मंगल ग्रह की कक्षा में स्थापित हो जाने के बाद मंगलयान ने इसके वायुमंडल, खनिजों व संरचना से जुड़ी तस्वीरें भेजी हैं। मंगलयान में पांच अहम उपकरण मौजूद हैं जो मंगल ग्रह के बारे में अहम और सटीक जानकारियां जुटाने का काम कर रहे हैं। इन उपकरणों में मंगल के वायुमंडल में जीवन की निशानी व मीथेन गैस का पता लगाने वाले सेंसर, एक रंगीन कैमरा और ग्रह की सतह और खनिज संपदा का पता लगाने वाला एक थर्मल इमेजिंग स्पेक्ट्रोमीटर जैसे सशक्त उपकरण शामिल हैं। इसके अलावा मंगल ग्रह के ऊपरी वायुमंडल में ड्यूटेरियम एवं हाइड्रोजन कणों की मौजूदगी, वायुमंडल की प्राकृतिक संरचना और खनिजों की जांच के लिए भी उपकरण भेजे गए थे।

कुल मिलाकर 4 साल बाद भी मंगल यान का सुचारू रूप से काम करना भारतीय तकनीकी सफलता व कुशलता की अभिपुष्टि है। वास्तव में हम विज्ञान और तकनीक के युग में जी रहे हैं, जो देश तकनीकी इनोवेशन की दिशा में काम करेगा या फिर उन्नत तकनीक का इस्तेमाल करेगा, वह उत्तरोत्तर प्रगति की दिशा में कदम बढ़ाएगा।

शशांक द्विवेदी
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

शाहिद अफरीदी ने जो कुछ कहा है वह पाक की हकीकत है। मगर वह कभी भी यह नहीं मानेगा कि वह कश्मीर संभालने लायक नहीं है। पाक अपनी जिद को छोड़ ही दे।

पीके सहगल, रक्षा विशेषज्ञ

कश्मीर को लेकर पाकिस्तान की नीति भारत विरोध की ही है। वह हर मंच से कश्मीर का ही राग अलापता रहता है। पर भारत ने उसे हर बार करारा जवाब दिया है। लेकिन वह जिद नहीं छोड़ेगा।

वीके सिंह, विदेश राज्यमंत्री

सत्यार्थ

ज्ञान पर घमंड बेफिजूल

एक शाम मशहूर सूफी संत व दार्शनिक रूमी दरिया किनारे कुछ लिख रहे थे। उनके इर्द-गिर्द उनकी खुद की लिखी किताबों का ढेर लगा था। उस समय किताबें हाथ से ही लिखी जाती थीं। रूमी ऊंचे दर्जे के विद्वान थे एवं दूर-दूर के लोग उनसे पढ़ने हेतु आते थे। वे लोगों को पूरी रुचि लेकर पढ़ाते भी थे। उस वक्त रूमी दरिया किनारे खामोशी और मन की गहराइयों से कुछ लिखने में व्यस्त थे कि तभी शम्स तबरेज उनके पास आए। वे फटेहाल और उजड़े हुए बालों के साथ उनके सामने आकर बैठ गए। रूमी ने उनको देखकर उनका हाल पूछा और फिर से लिखने लगे। शम्स तबरेज ने उनके इर्द-गिर्द ढेर सारी किताबों को देखा। वे रूमी जैसे विद्वान तो नहीं थे, फिर भी पूछ बैठे कि यह क्या है, इनमें क्या है। अपनी विद्वत्ता पर गर्व करने वाले रूमी ने कहा-इसमें जो है, उसे तुम समझ नहीं सकते। यह इल्म है, जो तुम्हारे बस का नहीं। शम्स ने तुरंत किताबों को उठाया व दरिया में फेंक दिया। अपनी वर्षों की मेहनत को पानी में डूबते देख रूमी जोर से चीख पड़े। बोले-यह क्या किया शम्स? तुमने मेरी सारी मेहनत तबाह कर दी। शम्स मुस्कराए और कहा कि धैर्य रखो रूमी व दरिया में हाथ डाल एक किताब निकाली। एक के बाद एक किताबें सब पानी में हाथ डालकर दरिया से निकाल दीं। रूमी की आंखें खुली रह गईं, जब एक भी किताब न भीगी एवं न खराब हुई। उन्होंने शम्स से कहा-यह क्या है शम्स और यह कौन सा इल्म है? शम्स ने कहा-यह वह इल्म है, जो तुम्हें नहीं आता। यह कहते हुए वे वहां से चले गए। इसीलिए कहा जाता है कि किसी को कम मत समझो। अपने ज्ञान पर इतराओ मत। हो सकता है, सामने वाले को वह आता हो, जो तुम्हें न आता हो। ईश्वर ने सभी को खूबियां दी हैं।

हफीज किदवई

सार समाचार

कैलिफोर्निया के जंगलों में लगी भीषण आग, 1000 से ज्यादा लोग लापता

लॉस एंजिलिस। उत्तरी कैलिफोर्निया के जंगलों में लगी विनाशकारी आग के कारण आसपास के इलाकों से लापता होने वाले लोगों की संख्या शुक्रवार को 1,000 के पार पहुंच गई। अधिकारियों का कहना है कि बचाव कर्मियों ने आठ और लोगों के शव बरामद किये हैं। बुट्टे काउंटी के शेरिफ कोरी होनिया ने कहा कि लापता लोगों की संख्या गुरुवार को 631 थी जो शुक्रवार को बढ़कर 1,011 हो गई। लापता होने की और रिपोर्टें भेजी जा रही हैं और 8 नवंबर को आग लगने के बाद आयी आपातकालीन कॉल की समीक्षा की जा रही है। आठ शवों के मिलने के साथ ही अब इस कथित 'कैंप फायर' की चपेट में आने से मरने वालों की संख्या 71 हो गई है।

गौरतलब है कि अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के जंगलों में लगी भीषण आग ने अब आसपास के शहरों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है, जिसमें बुट्टे काउंटी के ज्यादातर शहर शामिल हैं। इसी काउंटी के अंतर्गत आने वाला पैराडाइज शहर पूरी तरह तबाह हो चुका है। उन इलाकों में आपात स्थिति बनी हुई है। दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के लिए लगातार जूझ रहे हैं। पिछले दो हफ्तों से बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाए जा रहे हैं।

रूस ने दुर्घटना के बाद पहली बार सोयुज रॉकेट का प्रक्षेपण किया

बैकानूर (कजाख्स्तान)। रूस के मालवाहक सोयुज रॉकेट का शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) से प्रक्षेपण किया गया। पिछले महीने मानवयान दुर्घटना के बाद से यह पहला प्रक्षेपण है। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोसमोस की तस्वीरों के मुताबिक, सोयुज-एफजी रॉकेट ने कजाख्स्तान में बैकानूर कोस्मोड्रोम से मानक समयानुसार शाम छह बजकर 14 मिनट पर अपने निर्धारित समय पर उड़ान भरी। इस प्रक्षेपण को तीन दिसंबर को होने वाले मानवयान के लिए अभ्यास के तौर पर देखा जा रहा है। सोयुज रॉकेट का 11 अक्टूबर को प्रक्षेपण उड़ान के 11 मिनट बाद ही विफल हो गया था। इसके बाद अंतरिक्ष यात्रियों को अंतिरक्ष केंद्र तक ले जाने में सक्षम इकलौते देश ने सभी प्रक्षेपण निलंबित कर दिए थे।

कैलिफोर्निया के जंगलों में लगी आग से मची तबाही का जायजा लेने जा सकते हैं ट्रंप

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कैलिफोर्निया प्रांत के जंगलों में लगी आग से मची तबाही का जायजा लेने जा सकते हैं। कैलिफोर्निया के गवर्नर जेरी ब्राउन के भी उनके साथ जाने की संभावना है। वैसे, इस संबंध में कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी गई है। प्रांत की सबसे भीषण आग में अब तक 74 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 1011 लोग लापता बताए जा रहे हैं। अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन के मुताबिक, उत्तरी कैलिफोर्निया में 71 जबकि दक्षिण कैलिफोर्निया में तीन लोगों की आग से मौत हो चुकी है। आठ नवंबर को कैंप फायर से फैली आग में करीब 9700 हजार घर खाक हो चुके हैं। आग ने एक लाख 46 हजार एकड़ जमीन को अपनी चपेट में ले रखा है। दक्षिणी कैलिफोर्निया की लॉस एंजलिस और वेनतुरा काउंटी में आग ने 548 भवनों को नष्ट कर दिया है।

सीआईए ने खशोगी की हत्या के पीछे सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस का हाथ बताया

बीजिंग। (एजेंसी)।

वाशिंगटन। अमेरिका की केंद्रीय खुफिया एजेंसी इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या के पीछे सऊदी अरब के वली अहद मोहम्मद बिन सलमान का हाथ है। द वाशिंगटन पोस्ट ने मामले से जुड़े लोगों के हवाले से शुक्रवार को यह खबर दी। अमेरिका का यह आकलन सऊदी अरब के अभियोजक के विपरीत है जिन्होंने एक दिन पहले इस नृशंस हत्या में वली अहद की संलिप्तता को खारिज किया था। अखबार ने कहा कि सीआईए की जांच के अनुसार, सऊदी अरब के 15 एजेंट सरकारी विमान से इस्तांबुल पहुंचे थे और उन्होंने सऊदी अरब के दूतावास में खशोगी की हत्या की। इस बारे में पूछे जाने पर सीआईए ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

वाशिंगटन पोस्ट के स्तंभकार खशोगी अपनी तुर्क मंगेतर से शादी करने के वास्ते आवश्यक दस्तावेज हासिल करने के लिए दूतावास गए थे। सऊदी अरब के अभियोजक ने गुरुवार को अपनी नई कहानी सुनाते हुए कहा था कि खशोगी को समझा बुझाकर इस्तांबुल से वापस लाने के लिए 15 सदस्यीय दल गठित किया गया था लेकिन अंततः पत्रकार की हत्या कर दी गई और उनके शव को टुकड़े-टुकड़े कर दिया गया। अखबार ने बताया कि सीआईए ने कई खुफिया सूत्रों को खंगाला जिसमें वली अहद के भाई और खशोगी के बीच एक फोन कॉल भी शामिल है। वली अहद के भाई अमेरिका में सऊदी अरब के राजदूत हैं। राजदूत ने दिवंगत पत्रकार से कथित तौर पर यहा कहा कि वह इस्तांबुल में दूतावास जाने पर सुरक्षित रहेंगे और उन्हें जिन दस्तावेजों की जरुरत है वे मिल जाएंगे।

द वाशिंगटन पोस्ट ने एक अधिकारी के हवाले से कहा कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने यह भी कहा कि वली अहद की भूमिका तय करते हुए वह उन्हें सऊदी अरब में 'अगला शासक' मानता है। यह तय है कि बिना उनकी जानकारी या संलिप्तता के यह नहीं हुआ।सीआईए की जांच से अमेरिका और उसके मुख्य सहयोगी सऊदी अरब के बीच रिश्तों में और खटास आ सकती है।

इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन खशोगी की हत्या पर पर्दा डालने से बचने की जरुरत पर शुक्रवार को सहमत हुए। तुर्की के राष्ट्रपति सूत्र ने दोनों नेताओं के बीच फोन पर हुई बातचीत के बाद इसकी जानकारी दी।

राष्ट्रपति सूत्र ने कहा, ''एर्दोआन और ट्रंप जमाल खशोगी की हत्या में उसके सभी आयामों पर प्रकाश डालने पर सहमत हुए और मामले पर पर्दा डालने की किसी भी घटना को मंजूरी नहीं दी जाएगी।''

अशरफ गनी का खुलासा- 2015 से अभी तक मारे गये 30,000 अफगान सैनिक

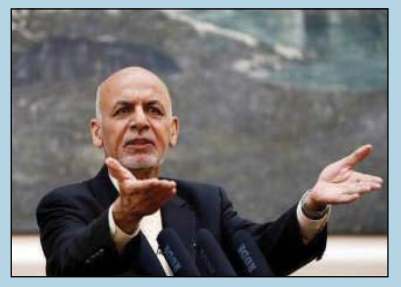

वाशिंगटन। अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी का कहना है कि 2015 से अभी तक अफगान सुरक्षा बलों के करीब 30,000 कर्मी मारे गए हैं जो पहले के मुकाबले काफी ज्यादा है। गनी ने इस सप्ताह वीडियो लिंक के जरिए वाशिंगटन स्थित जॉन्स हॉपकिंस स्कूल ऑफ एडवांस इंटरनेशनल स्टडीज में बातचीत की। वह कभी इसी विश्वविद्यालय में एंथ्रोपोलॉजी के प्रोफेसर हुआ करते थे।

गनी ने कहा कि 2015 के आरंभ में स्थानीय पुलिस और सैन्य टुकड़ियों के नाटो से सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने से अब तक हमारे 28 हजार 529 सुरक्षा कर्मी अपनी जान गंवा चुके हैं। इस दौरान 58 अमेरिकी सैनिकों की भी मौत हुई है। अफगानिस्तान में सुरक्षा बलों की मौत में इजाफे से अंदाजा लगाया जा सकता है कि अमेरिकी दावों के विपरीत यहां तालिबान और मजबूत हुआ है।

मालदीव पहुंचे पीएम मोदी, राष्ट्रपति सोलिह के शपथ ग्रहण समारोह में होंगे शामिल

माले (एजेंसी)।

मालदीव के एक दिवसीय दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को माले एयरपोर्ट पर पहुंचे. इस दौरान उनका स्वागत करने के लिए मालदीव के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे. पीएम मोदी मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद सोलिह के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे. पीएम मोदी शाम पांच बजे नेशनल स्टेडियम में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे. इसके बाद 6 बजकर 15 मिनट पर राष्ट्रपति मोहम्मद सोलिह के साथ उनकी बैठक होगी. इसके बाद पीएम मोदी वापस भारत के लिए रवाना हो जाएंगे.

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री की यह पहली मालदीव यात्रा है. नरेंद्र मोदी ने 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से मालदीव की यात्रा नहीं की थी. मालदीव में सितंबर 2018 में हुए आम चुनाव में मालदिवियन डेमोक्रेटिक पार्टी के इब्राहिम मोहम्मद सोलिह ने जीत हासिल की थी. उन्होंने उस समय के राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन को हरा दिया था. बता दें कि सोलिह के गठबंधन को आम चुनाव में 58 फीसदी वोट हासिल मिले थे.

पीएम नरेंद्र मोदी इससे पहले 2015 में मालदीव की यात्रा पर जाने वाले थे, लेकिन वहां पर पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नाशिद की गिरफ्तारी के बाद बढ़े सरकार विरोधी प्रदर्शनों के कारण उन्होंने अपनी यात्रा रद्द कर दी थी.

चीन का अमेरिका पर निशाना, संरक्षणवादी कदम होंगे नाकाम

पोर्ट मोरेस्बी (एजेंसी)।

एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग मंच (एपीईसी) की शिखर बैठक से पहले चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा कि संरक्षणवादी कदम अदूरदर्शी है और ये नाकाम साबित होने वाले हैं। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के मध्य व्यापार में बढ़ते तनाव के बीच चीन के राष्ट्रपति ने कहा कि व्यापार मोर्चे पर युद्ध या शीत युद्ध से किसी की जीत नहीं होगी।शिखर सम्मेलन से इतर शी ने कारोबारियों से कहा, ÷व्यापारिक इतिहास और अर्थशास्त्र के नियमों के खिलाफ काम करके करीबी आर्थिक संबंधों को काटने और व्यापार बाधायें खड़ा करने का प्रयास किया गया है। इस तरह के कदम अदूरदर्शी हैं और यह नाकाम साबित होंगे।÷ डोनाल्ड ट्रंप सरकार की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति पर तीखी टिप्पणी करते हुये उन्होंने कहा, 'हमें सरंक्षणवाद और एकतरफावाद को बढ़ावा देने से बचना चाहिये।' एपीईसी के सदस्य देश अमेरिका और चीन के बीच व्यापार मोर्चे पर टकराव बढ़ता जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि व्यापार युद्ध वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिये खतरनाक हो सकता है। दोनों देशों ने एक-दूसरे के यहां से आयातित उत्पादों पर भारी भरकम शुल्क लगाया है। चिनफिंग ने कहा कि दुनिया भर के देशों को विश्व व्यापार संगठन की बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था में बने रहने चाहिये, जो कि आर्थिक वैश्वीकरण को सभी के लिये अधिक मुक्त, समावेशी, संतुलित और लाभदायक बनाते हैं। उन्होंने कहा, ÷इतिहास बताता है कि चाहे शीत युद्ध हो या फिर व्यापार युद्ध- इससे कभी कोई विजेता बनकर नहीं निकला है।' चिनफिंग ने कहा, 'हमारा मानना है कि ऐसा कोई मुद्दा नहीं है, जिसे देश विचार-विमर्श के माध्यम से नहीं सुलझा सकते हैं।'

कनाडा ने दुनिया से कहा, फिलहाल उसके यहां ना भेजें कोई डाक

ओटावा (एजेंसी)।

कनाडा की डाक सेवा ने शुक्रवार को बाकि दुनिया से अनुरोध किया कि वे लोग फिलहाल डाक के जरिए कोई भी सामान या चिट्ठी उसके यहां ना भेजें क्योंकि हड़ताल पर चल रहे कनाडाई डाक कर्मचारियों ने उन्हें की गई अनुबंध की पेशकश ठुकरा दी है। कर्मचारियों की पिछले पांच सप्ताह से जारी हड़ताल के कारण 'कनाडा पोस्ट' के पास सामानों, पार्सल और चिट्ठियों का अंबार लगा हुआ है। यहां तक कि विभाग ने हड़ताल खत्म कराने के लिए हाल ही में आखिरी प्रयास के रूप में कर्मचारियों को लुभावना प्रस्ताव भी दिया था। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की चेतावनी के बाद यह कदम उठाया गया है कि उनकी सरकार आने वाले अवकाश सीजन से पहले श्रम विवाद को सुलझाने के लिए कदम उठाने को तैयार है।

ईबे समेत ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं का सरकार पर दबाव है कि वह 23 नवंबर को शुरू होने वाले ब्लैक फ्राइडे और साइबर मंडे की ''सेल'' से पहले हड़ताल खत्म कराए। लेकिन 'कनैडियन यूनियन ऑफ पोस्टल वर्कर्स' की एक प्रवक्ता ने एएफपी को शनिवार को समाप्त हो जाने वाले प्रस्ताव के बारे में बताया कि यह ÷नाकाफी÷ है और यूनियन इसे अपने सदस्यों के सामने पेश नहीं करेगा। इस बीच, कनाडा पोस्ट के सामने 22 अक्टूबर को हड़ताल की शुरूआत के समय से ही डिलीवरी बैकलॉग की समस्या खड़ी हो गयी है, जिसके चलते उन्हें दुनिया से अपने यहां मेल नहीं भेजने की अपील करनी पड़ी। एक ईमेल में कहा गया, ''इसलिए, हम यूनाइटेड स्टेट्स पोस्टल सर्विस समेत अंतरराष्ट्रीय डाक सेवाओं से कहना चाहते हैं कि हम बाहर से आने वाली वस्तुओं को अगली नोटिस तक स्वीकार करने में असमर्थ हैं।''

अमेरिका- इरान में फिर ठनी, रासायनिक हथियारों ईरान को घेरा

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका ईरान को रासायनिक हथियारों पर प्रतिबंध की अंतर्राष्ट्रीय संधि के उल्लंघन का आरोपी ठहराने में जुटा है। दो अमेरिकी अधिकारियों ने शुक्रवार को यह बात कही। अधिकारियों ने कहा कि अमेरिकी सरकार अगले हफ्ते यह घोषणा करने की योजना बना रही है कि ईरान 1997 के रासायनिक हथियार समझौते का पालन नहीं कर रहा है, जिसके तहत रासायनिक हथियारों का उत्पादन, संचय और इस्तेमाल गैरकानूनी है।अधिकारियों के मुताबिक ईरान ने रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल नहीं किया है, लेकिन उसके पास ऐसे हथियारों के उत्पादन के लिए सामग्री और उपकरण मौजूद हैं। ईरान पर यह आरोप हालिया खुफिया जानकारी पर आधारित है। जांच अधिकारी सार्वजनिक तौर पर इस मसले पर कुछ नहीं बोल सकते और नाम ना बताने की शर्त पर उन्होंने जानकारी दी।

ईरान को आरोपी ठहराए जाने के साथ ही उसपर अमेरिका की ओर से तुरंत कोई जुर्माना नहीं लग सकता है लेकिन इसे आधार बनाकर उसके खिलाफ रासायनिक हथियारों के प्रतिबंध से जुड़े संगठन में शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यह आरोप ईरान को अलग थलग करने की कोशिशों में से एक हैं। अमेरिका मई में ईरान के साथ 2015 में हुए परमाणु समझौते से अलग हो गया था और इस महीने की शुरूआत में उसने ईरान पर दोबारा प्रतिबंध लगा दिए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और और उनके शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ईरान को मध्य-पूर्व और दूसरे क्षेत्रों में अस्थिरता फैलान से रोकने के लिए संकल्प लेने की बात साफ कर चुके हैं।

जुकरबर्ग को फेसबुक चेयरमैन पद से हटाने की मांग, लगाया गया ये गंभीर आरोप

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

फेसबुक के अपनी आलोचना को दबाने के लिए पीआर कंपनी नियुक्त करने की खबर आने के बाद निवेशकों ने मार्क जुकरबर्ग से चेयरमैन पद से इस्तीफा देने की मांग की है. न्यूयॉर्क टाइम्स ने हाल ही में एक रपट प्रकाशित कर खुलासा किया गया कि फेसबुक, कई बार अपनी आलोचनाओं को दबाने और लोगों के मन में कंपनी के खिलाफ भरे गुस्से को दूर करने के लिए अरबपति कार्यकर्ता जॉर्ज सोरोस की सेवाएं लेती है और आलोचना को अपनी प्रतिद्वंदी कंपनियों के तरफ मोड़ने का काम करती है.

वहीं टेलीग्राफ ने अपनी रपट में कहा है कि कैंब्रिज एनालिटिका के मामले में अपनी आलोचना को दबाने के लिए उसने जनसंचार कंपनी डिफाइनर्स पब्लिक अफेयर्स की सहायता ली है. इन खबरों पर फेसबुक में 85 लाख पौंड की हिस्सेदारी रखने वाले ट्रिलियम एसेट मैनेजमेंट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जोनास करॉन ने पिछली रात जुकरबर्ग से फेसबुक के चेयरमैन पद से इस्तीफा देने की मांग की. अखबार ने उनके हवाले से लिखा है, '' फेसबुक अजीब तरह का व्यवहार कर रही है. यह सही नहीं है, यह एक कंपनी है और कंपनियों को चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पदों को अलग रखने जरूरत होती है.''

दसवीं फैल लड़के ने राजकोट के युवक की फेसबुक और इंस्टाग्राम किया हेक

अहमदाबाद। राजकोट निवासी एक युवक का फेसबुक और इंस्टाग्राम हेक होने की शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने मेहसाणा जिले के ऊंझा से एक किशोर को गिर तार कर लिया। जानकारी के मुताबिक राजकोट में रहनेवाली जयपालसिंह मूलराजसिंह राणा ने फेसबुक और इंस्टाग्राम हेक होने की शिकायत पुलिस थाने में दर्ज करवाई थी। शिकायत के मुताबिक एकाउंट हेक करनेवाले श स ने जयपालसिंह की कई पोस्ट डिलीट करने के साथ ही प्रोफाइल फोटो भी बदल दी थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मेहसाणा जिले की ऊंझा तहसील के भाखर गांव से महमद जिलानी को गिर तार कर लिया। 10 फैल महमद जिलानी के फेसबुक और इंस्टाग्राम पर अलग अलग एकाउंट हैं। अपने इंस्टाग्राम पर सर्वाधिक लाइक और फॉलोअर्स बताने के लिए जयपालसिंह का एकाउंट महमद जिलानी ने हेक किया था।

लोगों की समस्याओं का निराकरण लाने को सरकार निरंतर प्रयत्नशील: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि लोगों से सम्बंधित समस्याओं का निराकरण करने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयत्नशील है और हर समस्या का समाधान होता है। उसके निराकरण के लिए मात्र इच्छाशक्ति की जरूरत होती है। राज्य सरकार में इच्छाशक्ति है। पिछले दो वर्ष में पानी, कृषि सहित सामाजिक समस्याओं का भी निराकरण किया गया है। राजकोट शहर पुलिस द्वारा भर्ती किए गए नवनियुक्त ट्राफिक ब्रिगेड के जवानों को नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए उन्होंने कहा कि जनता को कानून का अहसास हो, इसलिए राज्य सरकार द्वारा पुलिस आधुनिकीकरण सहित विभिन्न कदम उठाए गए हैं और पुलिस विभाग के वार्षिक बजट में वित्तीय व्यवस्था की गई है।

विज रूपाणी ने कहा कि पहले ट्राफिक के लिए 30 से 40 करोड़ की वित्तीय व्यवस्था की जाती थी लेकिन गत वर्ष के बजट में 200 करोड़ की व्यवस्था की गई है। शहरों में वाहनों का प्रमाण बढ़ता जा रहा है। पहले विदेशों में एक घर में तीन-चार कारें देखते थे तो हमें अचरज होता था लेकिन अब तो हमारे शहरों में भी ऐसा देखने को मिलता है। एक घर में एक से ज्यादा वाहन होते हैं और वाहनों के बढ़ने से होने वाली समस्याओं का निराकरण करने के लिए राज्य सरकार ने आयोजन किया है। राज्य में ट्राफिक ब्रिगेड की संख्या 10 हजार कर दी गई है और नयी ट्राफिक ब्रिगेड भर्ती करने को तत्काल मंजूरी दी जाती है। ट्राफिक ब्रिगेड को मिलने वाले मानद वेतन में वृद्धि की गई है। पूर्व में उन्हें प्रतिदिन 200 रुपए मिलते थे जिसे अब बढ़ाकर 300 कर दिया गया है। ट्राफिक ब्रिगेड के कारण यातायात नियंत्रण कार्य सरल हो जाता है। टेक्नोलॉजी की सहायता से ट्राफिक मैनेजमेंट के बारे में राज्य सरकार का संकल्प साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़े शहरों में ट्राफिक पॉइंट पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं जिसका असर दिखाई दे रहा है। कानून के पालन के लिए सीसीटीवी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। ट्राफिक नियमों का भंग करने वाले वाहन चालकों के घर पर ई-मेमो पहुंच जाते हैं इसलिए स्थल पर ट्राफिक पुलिस को कोई समस्या नहीं रहती। पहले से 12 गुना ज्यादा दंड वसूली हो रही है।

राज्य सरकार भ्रष्टाचार उन्मूलन करने के लिए अनेक कदम उठा रही है। कई ऐसे निर्णय लिए गए हैं जिनके कारण भ्रष्टाचार पर अंकुश आया है। राजस्व विभाग में गैरकृषि प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया गया है। आगामी एक माह में जिला पंचायतों में भी इसे लागु किया जाएगा। इसके साथ ही अनावश्यक अनुमतियां लेने से भी मुक्ति दी गई है। पेट्रोल पम्प लगाने के लिए पहले अनुमति लेनी पड़ती थी, जिसे खत्म किया गया। होटल्स को भी पुलिस मंजूरी लेनी पड़ती थी, जिसे समाप्त करने का फैसला किया गया है। भ्रष्टाचार उन्मूलन पर रूपाणी ने कहा कि अप्रामाणिक कर्मचारियों और अधिकारियों पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए एसीबी को और ज्यादा सक्रिय किया गया है। इसलिए ही भ्रष्ट लोग जाल में फंस रहे हैं। हाल ही में एक आई.ए.एस. अधिकारी को बर्खास्त करने की घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मामलों में अधिकारियों को भी ब शा नहीं जाएगा।

विजय रूपाणी कहा कि इस बार वर्षा कम हुई है इसलिए पुरानी मार्गदर्शिका को ध्यान में लिए बगैर 90 तहसीलों को अकालग्रस्त घोषित किया गया है जहां आवश्यकता के मुताबिक सभी व्यवस्थाएं की जाती हैं। मूंगफली में किसानों का नुकसान ना हो इसलिए समर्थन मूल्य पर मूंगफली की खरीद की जा रही है। इस बार राज्य सरकार ने अप्रेंटिस योजना के अंतर्गत एक लाख युवाओं की भर्ती का लक्ष्य रखा है और अब तक 70,000 युवाओं की भर्ती हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त ब्रिगेड के जवानों को शुभकामनाएं दी और निष्ठापूर्वक कर्तव्य निभाने की सीख दी।

दस लोगों ने महंत पर घातक हमला किया

रामपुरा धनेश्वर महादेव मंदिर के महंत की हत्या से सनसनी

खेत की जमीन में अतिक्रमण करने की दुश्मनी में हमले की आशंका : पुलिस ने रायोटिंग का अपराध दर्ज किया

अहमदाबाद। राजपीपला में रामपुरा धनेश्वर महादेव मंदिर के महंत की हत्या की वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई। खेत में अतिक्रमण करने की दुश्मनी रखकर आठ से दस व्यक्तियों ने अवैध मंडली बनाकर महंत पर घातक हमला किया और उनको गंभीर रूप से चोटें पहुंचाकर मौत के घाट उतार दिया गया था। गंभीर रूप से घायल महंत को राजपीपला सीविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, उनकी मौत हो गई थी। पुलिस ने इस हत्या के केस में दस आरोपियों के विरूद्ध रायोटिंग का अपराध दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है।

इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, रामपुरा धनेश्वर महादेव मंदिर रामप्यारेदास त्यागी की हत्या की गई यह समाचार रविवार को सभी को मालूम होने से साधु-संत समाज सहित पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई।

खेत में अतिक्रमण करने की दुश्मनी रखकर आठ से दस व्यक्तियों ने बेट और डंडे लेकर आये थे और भारी आतंक मचाकर महंत पर गंभीर रूप से घातक हमला किया। बेट और डंडे से हमला होने पर महंत गंभीर रूप से घायल हो गये थे। राजपीपला में रामपुरा धनेश्वर महादेव मंदिर के महंत की हत्या की वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई। खेत में अतिक्रमण करने की दुश्मनी रखकर आठ से दस व्यक्तियों ने अवैध मंडली बनाकर महंत पर घातक हमला किया और उनको गंभीर रूप से चोटें पहुंचाकर मौत के घाट उतार दिया गया था। जिसकी वजह से १०८ द्वारा राजपीपला सीविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उपचार के दौरान महंत की मौत हो गई थी। यह घटना की वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई इसके साथ शोक की लहर फैल गई थी, दूसरी तरफ, संत समाज में यह हत्या को लेकर नाराजगी फैल गई थी। गोपालपुरा गांव के यशपालसिंह गोहिल सहित अन्य १० शख्सों के विरूद्ध राजपीपला पुलिस स्टेशन में पूर्व आयोजित साजिश के साथ रायोटिंग का अपराध दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है और पुलिस ने हत्यारे को गिरफ्तार करने के लिए खोज बीन शुरू कर दी है।

शंकरसिंह की प्रधानमंत्री मोदी को खुली चुनौती

भाजपा-RSS का प्रमुख कोई मुसलमान को बनाकर बताओ

वाघेला ने स्पष्ट किया कि, वह एन्टी बीजेपी ही रहेंगे और इसके लिए कांग्रेस सहित के किसी भी विपक्ष के साथ है

अहमदाबाद। गुजरात भूतपूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला ने रविवार को सूरत की मुलाकात के दौरान एक समय में प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा है कि, पीएम मोदी ने एक सभा में कहा कि, कांग्रेस अपनी पार्टी के अध्यक्ष पद पर गांधी परिवार के सदस्य के अलावा किसी अन्य को पद दे तो, वाघेला ने मोदी के पास इसका जबाव मांगते हुए कहा कि, भाजपा अपना अध्यक्ष और संघ खुद का प्रमुख कोई मुसलमान को बनाकर बताओ। वाघेला ने मोदी को यह सीधी चुनौती देते हुए फिर एकबार गुजरात की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार कर रहे है इस दौरान पीएम मोदी ने एक सभा में कांग्रेस पर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कांग्रेस को चुनौती देते हुए कहा है कि, कांग्रेस गांधी परिवार के सदस्य को छोड़कर किसी अन्य को पार्टी अध्यक्ष बनाकर बताये। प्रधानमंत्री मोदी के यह बयान को रविवार को शंकरसिंह वाघेला ने सूरत में मोदी को खुली चुनौती देते हुए कहा है कि, पीएम मोदी और भाजपा अपने नये कार्यालय में पार्टी के अध्यक्ष की कुर्सी पर मुस्लिम व्यक्ति को बिठाये। इसके साथ संघ भी अपना अध्यक्ष मुस्लिम व्यक्ति को बनाये। शंकरसिंह वाघेला को पूछा गया कि, वह कांग्रेस के साथ है या सिर्फ पीएम को हराना चाहते है तो वाघेला ने बताया है कि, एक वर्ष में नौ राज्यों में यात्रा की है।

२६० करोड़ के घोटाले का मामला

शाह के घोटाले के शिकार शिकायतकर्ता सामने आये

अहमदाबाद। विज्ञापन देखों और रुपया कमाने की लालच देकर विनय शाह और इसकी पत्नी भार्गवी शाह द्वारा निर्दोष लोगों के २६० करोड़ रुपये के घोटाले करने के मामले में पुलिस ने अब दोनों आरोपियों की पासपोर्ट एन्ट्री के आधार पर लोकेशन लेने का प्रयास किया गया है। पुलिस को अंतिम में इसका लोकेशन नेपाल मिला। रविवार को पुलिस ने विनय और इसकी पत्नी के पासपोर्ट की डिटेइल इमिग्रेशन विभाग को भेजकर इसके पासपोर्ट पर कहां-कहां एन्ट्री हुई है, तथा किस जगह के वीजा मिले है यह जानकारी लेने के लिए एक पत्र लिखा है। जिसकी वजह से कुछ ही दिनों में विनय शाह और इसकी पत्नी की लोकेशन ट्रेस होने की पुलिस को अपेक्षा है तो दूसरी तरफ यह पूरे घोटाले में विनय शाह के साथ ऑडियो क्लिप में सामने आये सुरेन्द्र राजपूत और स्वप्निल राजपूत की गिरफ्तारी के लिए पुलिस पर दबाव बढ़ रहा है। रविवार को यह पूरे घोटाले में विनय शाह द्वारा धोखाधड़ी के शिकार हुए कई और शिकायतकर्ता सामने आये।

दादा भगवान की देखने जैसी दुनिया की रुपाणीने मुलाकात की

११ दिन का उत्सव नए साल में देश को दिशा दर्शन देंगे : रुपाणी

यह उत्सव के तहत बने थीम पार्क के दो आकर्षक और ज्ञानसर शो मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने देखा

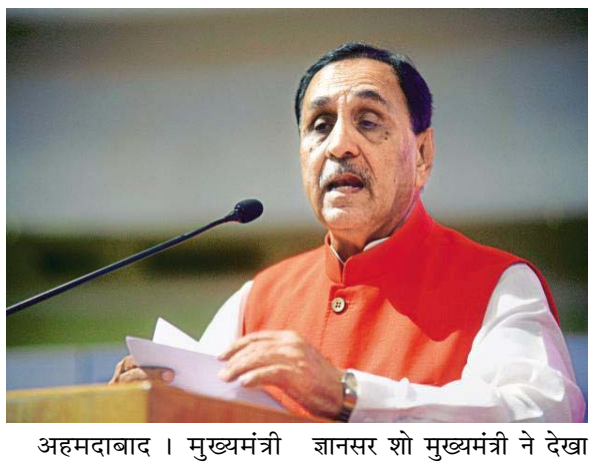

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने १८ नवंबर को सुबह में १० बजे अडालज त्रिमंदिर के पास दादा भगवान परिवार द्वारा खड़ी की गई अद्भूत और अनूठा ऐसी देखने जैसी दुनिया की मुलाकात की। यह उत्सव के तहत बने थीम पार्क के दो आकर्षक और ज्ञानसर शो मुख्यमंत्री ने देखा। इसमें से एक २० मिनट का शो कर्ता कौन जिसमें ४ डी एक्सपीरियन्स के माध्यम से यह जगत में कोई स्वतंत्र कर्ता नही योग्य समझ द्वारा उद्वेग के अवसर पर मन की शांति प्राप्त होती है। दूसरा १५ मिनट का टूर टू महाविदेह शो, जिसमें ३ डी प्रोजेक्शन मेपिंग के माध्यम द्वारा धार्मिक असहमति टालकर आत्मधर्म को उजागर करने के उद्देश्य से वर्तमान तीर्थंकर भगवान श्री सीमंधर स्वामी की सही पहचान मिलती है। दोनों शो देखने के बाद मुख्यमंत्री ने प्रेजन्टेशन के नये माध्यमों के द्वारा लोगों को संदेश पहुंचाने के प्रयास की प्रशंसा की, तथा दुनिया महोत्सव की व्यवस्था, अनुशासन और सेवार्थी की समर्पितता की प्रशंसा की थी। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने बताया है कि, यह ११ दिन का महोत्सव नये साल में पूरे देश को एक नई दिशा प्रदान करेगा।

राज्य के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने सत्संग हॉल में पहुंचकर परम पूज्य दादा भगवान और पूज्य नीरूमा की छवि को पुष्प अर्पित की गई। उन्होंने प्रत्यक्ष ज्ञानी पूज्य दीपकभाई को पवित्रा अर्पित करके आशीर्वाद लिया और उनके साथ ही स्टेज पर स्थान ग्रहण किया प्रश्नोत्तरी सत्संग सुना। इसके बाद करीब ३०,००० से भी ज्यादा लोग को संबोधित करके मुख्यमंत्री ने दादा भगवान की १११वीं जयंती के अवसर पर ईश्वर प्राप्ति यानी कि जन्म-मृत्यु के फेरा में से आत्मा की मुक्ति के लिए, धर्म और साइंस के द्वारा सत्य की तरफ जाने के लिए प्रेरणा देता विज्ञान के लिए तथा पूज्यश्री द्वारा यह प्रवृत्ति को तेजी मिलने के लिए सराहना की गई।

चोटिला की सांगानी के पास दुर्घटना

६ सदस्य की एक साथ अर्थी निकलने से लोग सदमे में

गोहिल परिवार के छह सदस्यों की एक साथ अंतिमयात्रा निकालने से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई

अहमदाबाद। सुरेन्द्रनगर जिला के चोटिला की सांगानी के पास हुए कार और ट्रक के बीच दुर्घटना में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हुई थी। रविवार को वढवाण के इस परिवार के छह सदस्यों की एक साथ अर्थी निकलने से लोग सदमे में है। एक साथ परिवार के छह सदस्यों की अर्थी को लेकर पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई थी और स्थानीय निवासी सदमे में है।

इस दुर्घटना में अचानक मौत होने से वढवाण के नीरजभाई रसिकभाई गोहिल (४० वर्ष), उनकी पत्नी दीनाबहन नीरजभाई गोहिल (४० वर्ष), धीरजबहन रसिकभाई गोहिल (६५ वर्ष), तथा नीरजभाई और दीनाबहन की नीधि नीरजभाई गोहिल (१३ वर्ष), आयुषी नीरजभाई गोहिल (७ वर्ष) तथा पुत्र शिवांग नीरजभाई गोहिल (६ वर्ष) के अंतिम संस्कार किया गया था। उल्लेखनीय है कि, चोटिला की सांगानी के पास हाईवे पर एक ट्रक तेजी से आ रही थी तब इसके बगल से ही एक कार जा रही थी। ट्रक ड्राइवर की किसी गलती के कारण ट्रक पलट गई थी और पलट कर ट्रक बगल से जा रही कार पर पड़ी। ट्रक सफेद वज नदार बोरियों से भरी हुई थी और कार में सवार सभी लोग दब गये थे। यह कार में एक ही परिवार यात्रा कर रहा था और कार में सवार सभी लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई थी। यह दुर्घटना इतनी भयंकर थी कि ट्रक नीचे दबे हुए लोगों को कार से बाहर निकालने के लिए क्रेन बुलाकर ट्रक को खड़ा करना पड़ा और इसमें से शवों को बाहर निकाला गया। इस दौरान दुर्घटना के बाद रविवार को गोहिल परिवार के छह सदस्यों की एक साथ अर्थी निकलने से लोग शोक में डूब गये है और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई

जीएमडीसी ग्राउन्ड में आहिर समाज द्वारा आहिर रेजिमेन्टनी मांग को लेकर संमेलन का आयोजन किया गया था।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)